मैं प्रवीण कोहली(कोहली निवास) बाई का बगीचा जबलपुर में रहता हूँ। मैं सन् 1980 से दोस्ती यारी में शराब की आदत में लग गया था । उसके बाद फिर मैं स्मैक की आदत से भी लग गया था। मैं जब नशा करता था, तो मेरे घर और बाहर कोई भी इज्जत नहीं करता था । कुत्ते समान मेरी जिंदगी हो गई थी । फिर उसके बाद मुझे जबलपुर में पता लगा कि भोपाल में ''नवजीवन'' नशामुक्ति केन्द्र में इलाज होता है । उसके बाद में अपने पिताजी के साथ यहां पर आया और भर्ती एक माह के लिये हो गया । उसके बाद मुझे यहां पर जिस प्रकार का भी इलाज हुआ उससे मेरे शरीर और सोचने समझने की समझ में बहुत फर्क आया। यहां से जाने के बाद मेरी दिनचर्या में बहुत फर्क आ गया है । मैं यहां पर 13.8.2007 से 12.9.2007 तक भर्ती रहा । इसके बाद से आज तारिख 11.7.2008 तक मैं बिल्कुल व्यसन मुक्त जीवन जी रहा हूँ। और आगे भी व्यसन मुक्त जीवन जीने का प्रण करता हूँ। मैं नवजीवन नशामुक्ति केन्द्र के श्री भार्गव जी और समस्त स्टॉफ का बहुत–बहुत जीवन भर तक आभारी रहूँगा । मुझे उम्मीद है कि आगे भी मुझे इस केन्द्र से व्यसन मुक्त जीवन जीने का मार्ग दर्शन प्राप्त होता रहेगा।

धन्यवाद

11.7.2008

प्रवीण कोहली

कोहली निवास, बाई का बगीचा

जबलपुर